

## ● सुनो और गाओ :

### २. विश्वव्यापक प्रेम

- राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज

**जन्म :** १९०९, यावली (महाराष्ट्र) **मृत्यु :** १९६८ **रचनाएँ :** ग्रामगीता, लहर की बरखा **परिचय :** 'मानवता ही पंथ मेरा' मानने वाले तुकडोजी महाराज का जीवन समानतावादी था। शांति के पथ पर बढ़ते हुए आपने सामाजिक क्रांति का मार्ग बताया है। प्रस्तुत पद में राष्ट्रसंत तुकडोजी ने ईश्वर की विश्वव्यापकता एवं गुरु की कृपा के महत्त्व को दर्शाया है।



#### सुनो तो जरा

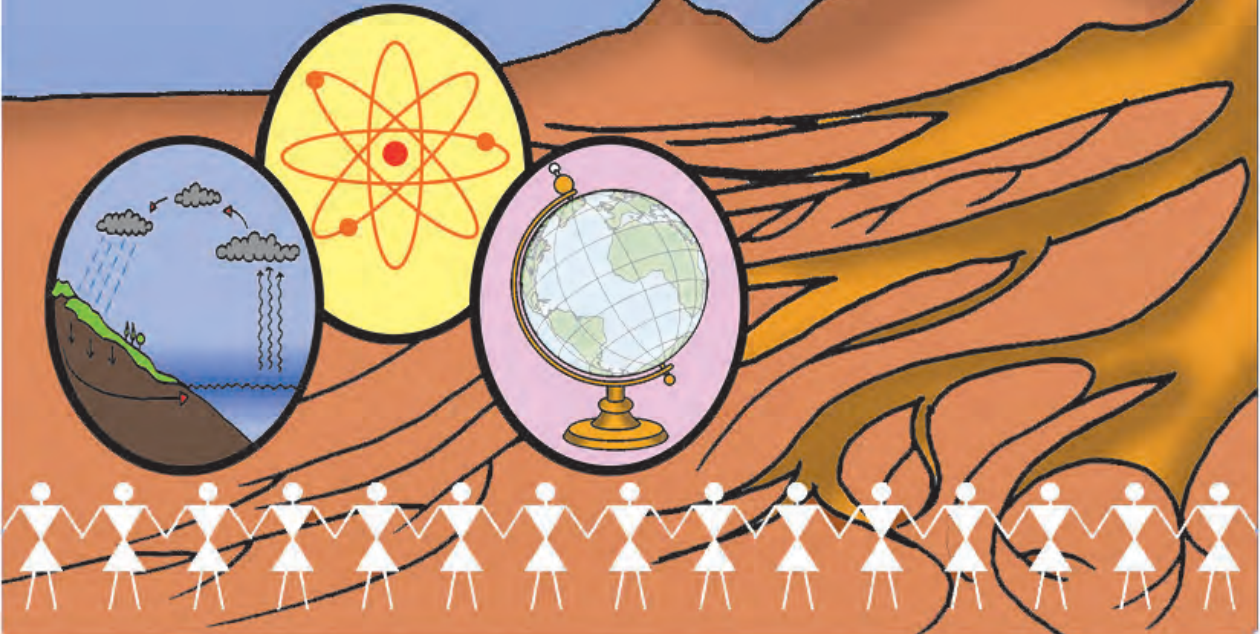
पसायदान सुनो और सुनाओ।

हर देश में तू हर भेष में तू, तेरे नाम अनेक तू एक ही है।  
तेरी रंगभूमि यह विश्व भरा, सब खेल में, मेल में तू ही तू है ॥१॥

सागर से उठा बादल बन के, बादल से फटा जल हो करके।  
फिर नहर बनी नदियाँ गहरी, तेरे भिन्न प्रकार तू एक ही है ॥२॥

चींटी से भी अणु-परमाणु बना, सब जीव जगत का रूप लिया।  
कहीं पर्वत, वृक्ष विशाल बना, सौंदर्य तेरा तू एक ही है ॥३॥

यह दिव्य दिखाया है जिसने, वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।  
तुकड़्या कहे कोई न और दिखा, बस मैं और तू सब एक ही है ॥४॥



□ उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ प्रार्थना का पाठ करके विद्यार्थियों को सुनाएँ। उनसे कविता का सामूहिक, गुट में गायन करवाएँ। प्रश्नोत्तर के माध्यम से कविता के भाव स्पष्ट करें। विद्यार्थियों को कोई अन्य गीत सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें।



## मैंने समझा

-----  
-----  
-----

## शब्द वाटिका



### नए शब्द

भेष = रूप, पोशाक    नहर = सिंचाई के लिए कृत्रिम माध्यम  
रंगभूमि = रंगमंच    विशाल = बहुत बड़ा



## वाचन जगत से

संकेत स्थल पर जाकर महाराष्ट्र राज्य के खादी ग्रामोद्योग की जानकारी पढ़ो और मुद्दों के आधार पर भाषण दो :



## स्वयं अध्ययन

किसी महिला संत की जीवनी अंतरजाल से ढूँढकर लिखो ।



## विचार मंथन

॥ सर्वे भवन्तु सुखिनः,  
सर्वे संतु निरामयाः ॥

\* कविता की पंक्तियाँ पूर्ण करो :

(क) सागर से ----- । -----प्रकार तू एक ही है ।

(ख) चींटी से ----- । ----- तेरा तू एक ही है ।



## भाषा की ओर

निम्नलिखित वर्णों से समानार्थी और विरुद्धार्थी शब्दों की जोड़ियाँ ढूँढो और अपने वाक्यों में प्रयोग करके कॉपी में लिखो :

रात × दिन      पुष्प = फूल

----- × -----      ----- = -----

----- × -----      ----- = -----

----- × -----      ----- = -----

ह य रा स्त ल  
अ न ब उ मा  
मे ष्प द न द छो ड़ा  
ज पा व त दि टा म्मा पु वा



□ कृति/प्रश्न हेतु अध्यापन संकेत - प्रत्येक कृति/प्रश्न को शीर्षक के साथ दिया गया है । दी गई प्रत्येक कृति/प्रश्न के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराएँ । क्षमताओं और कौशलों के आधार पर इन्हें विद्यार्थियों से हल करवाएँ । आवश्यकतानुसार विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए अन्य शिक्षकों की भी सहायता प्राप्त करें । 'दो शब्द' में दी गई सूचनाओं का पालन करें । दिए गए सभी कृति/प्रश्नयुक्त स्वाध्यायों का उपयोग कक्षा में समयानुसार 'सतत सर्वकष मूल्यमापन' के लिए करना है ।